भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3212

09 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

विशेष श्रेणियों के लिए आयुष

3212 श्री आलोक शर्मा:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत दो वित्तीय वर्षों के दौरान प्रशिक्षण और संगोष्ठियों पर सरकार द्वारा व्यय किए गए बजट का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) आयुष विभाग में कितने दिव्यांग स्थायी रूप से कार्यरत हैं;

(ग) सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्यान्वित की जा रही आयुष की विभिन्न योजनाओं का ब्यौरा क्या है और गत एक वर्ष के दौरान उक्त योजनाओं से कितने वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित हुए हैं;

(घ) क्या थर्ड जेंडर के व्यक्तियों के उपचार के लिए अलग से कोई योजना है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विगत एक वर्ष के दौरान इन योजनाओं से लाभान्वित हुए थर्ड जेंडर के व्यक्तियों की संख्या कितनी है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान आयुष मंत्रालय के अंतर्गत निम्नलिखित संगठनों द्वारा प्रशिक्षण और सेमिनारों पर खर्च किए गए बजट का विवरण **संलग्नक** पर दिया गया है।

(ख): मंत्रालय द्वारा यूपीएससी की अनुशंसा के आधार पर पीएच श्रेणी के अंतर्गत 04 अनुसंधान अधिकारियों की नियुक्ति की है तथा डीओपीटी से प्राप्त नामांकन के आधार पर 01 स्टेनोग्राफर ग्रेड डी की नियुक्ति की गई है।

(ग): मंत्रालय पूरे भारत में आम जनता के लिए इस योजना को क्रियान्वित कर रहा है, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों को भी उपचार तथा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

- हरियाणा के झज्जर तथा कर्नाटक के नागमंगला में 200 बिस्तरों वाले योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल के साथ केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों की स्थापना। इन दोनों सीआरआई ने ओपीडी तथा योग कक्षाएं चलाकर काम करना शुरू कर दिया है।

- भारत के विभिन्न स्थानों पर 200 बिस्तरों वाले योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल के साथ केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों की स्थापना

• योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ओपीडी/वेलनेस सेंटर की स्थापना- मंत्रालय ने दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक, धीशा, त्रिपुरा, मध्य प्रदेश के सरकारी अस्पतालों/संस्थानों में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ओपीडी/कल्याण केन्द्र खोले हैं।

• एम्स रायपुर, एम्स ऋषिकेश और पीजीआई चंडीगढ़ में योग के माध्यम से मन-शरीर संबंधी उपचार के लिए केंद्र स्थापित किए गए।

पिछले एक वर्ष के दौरान योजनाओं से लाभान्वित होने वाले वरिष्ठ नागरिकों की संख्या 1560 है।

(घ) और (ङ): आयुष मंत्रालय द्वारा संचालित सभी योजनाएं भारत के सभी नागरिकों के लाभ के लिए हैं। वर्तमान में, मंत्रालय द्वारा थर्ड जेंडर के लिए कोई विशेष योजना नहीं चलाई जा रही है।

*****

संलग्नक

पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान आयुष मंत्रालय के अंतर्गत निम्नलिखित संगठनों द्वारा प्रशिक्षण और सेमिनारों पर खर्च किए गए बजट का विवरण

क्र.सं.	संगठनों के नाम	प्रशिक्षण		सेमीनार
		2022-23 (रूपये में)	2023-24 (रूपये में)	
1.	भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम)	5,77056	95,69,060	--
2.	सचिवालय	792000	4,65,000	--
3.	पूर्वोत्तर आयुर्वेद एवं लोक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (एनईआईए एंड एफएमआर)	1700000	1400000	--
4.	आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए)	7194330	0	--
5.	केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच)	6561046	11080304	--
6.	केंद्रीय क्षेत्रीय योजना	62500000	45000000	--
7.	राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान (एनआईएच)	1428394	2824279	--
8.	केंद्रीय योग व प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद, (सीसीआरवाईएन)	6000000	500000	--
9.	राष्ट्रीय सोवा-रिग्पा संस्थान (एनआईएसआर)	1180236		4750000 (2022-23 और 2023-24)
10.	पूर्वोत्तर आयुर्वेद और होम्योपैथी संस्थान (एनईआईएएच)	3943260	00	
11.	केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस)	2513760	4968245	
12.	राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एऩसीएच)	4040557	5598110	
13.	भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी भेषजसंहिता आयोग (पीसीआईएम एंड एच)	94907	440536	
14.	राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन)	8161000	9274000	